Daily Current Affairs

Date : 12 May, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान का पहला 'बकरी बैंक' अभियान
2.	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस : राज्य स्तरीय समारोह
3.	ब्रह्मगुप्त पुरस्कार एवं इनोवेशन सेंटर
4.	'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' राज्य स्तरीय कार्यक्रम
5.	चाँदीपुरा वायरस (CHPV)
6.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. रणजीत सिंह राठौड़ (हिलिंगडन काउंसिल में काउंसलर)
7.	राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार, 2025
8.	चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS)
9.	प्रति बूंद अधिक फसल (Per Drop More Crop - PDMC)
10.	जन सुरक्षा योजनाओं के 11 वर्ष
11.	कैस्पियन सागर
12.	स्क्रैमजेट प्रणोदन प्रणाली
13.	दिव्यास्त्र मिसाइल

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान का पहला 'बकरी बैंक' अभियान

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान वन विभाग और भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट (WTI) द्वारा दुर्लभ कारकल (स्याहगोश) के संरक्षण के लिए भारत का पहला 'बकरी बैंक' शुरू किए जाने की घोषणा की गई।

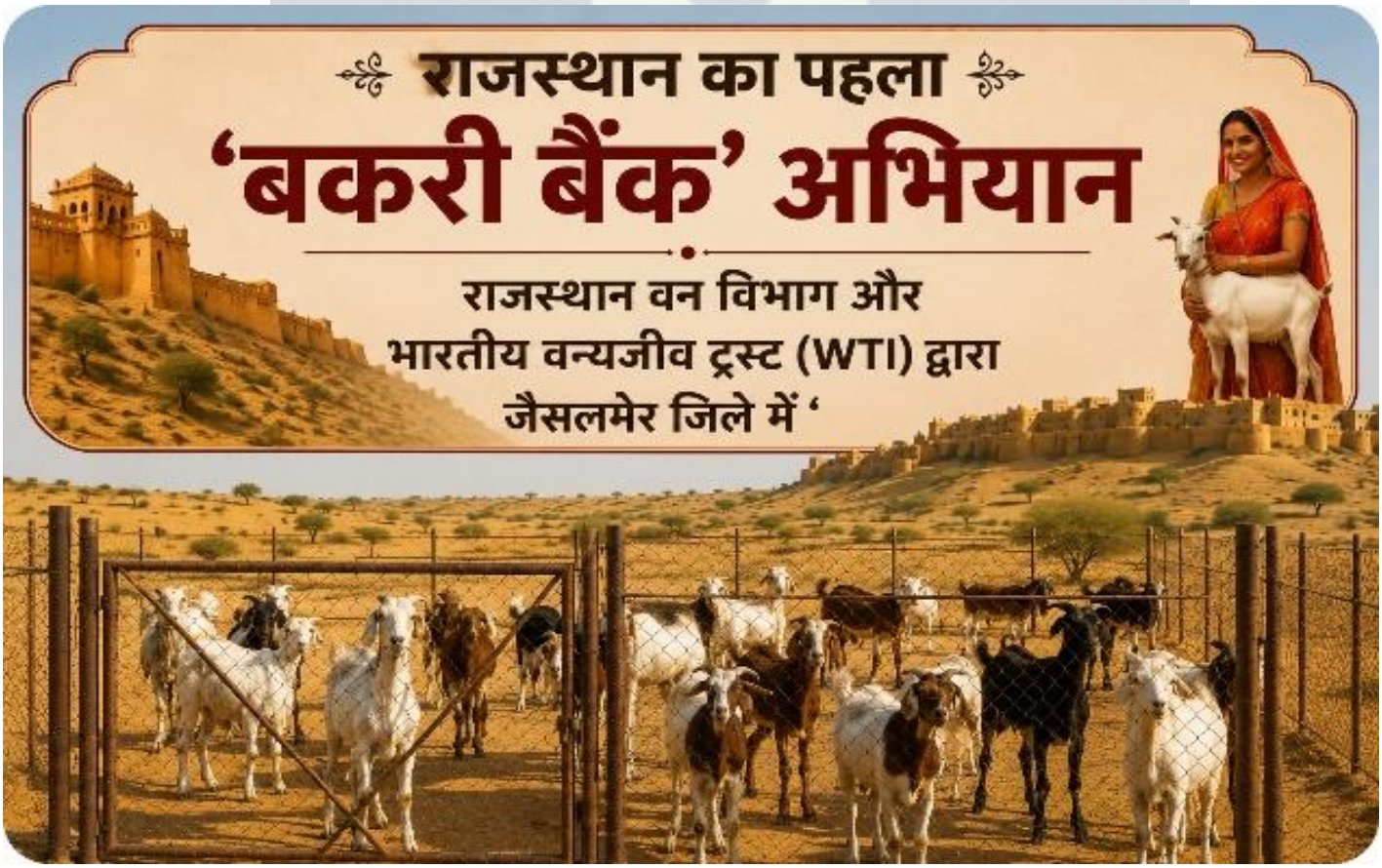

मुख्य बिन्दु:

- **स्थान :** जैसलमेर।
- **'बकरी बैंक' अभियान का मुख्य उद्देश्य :** कारकल संरक्षण के साथ-साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **क्रियान्वयन :** यदि काराकल किसी ग्रामीण की बकरी का शिकार करता है, तो मुआवजा प्रक्रिया के बजाय, वन विभाग सीधे बकरी बैंक से एक नई बकरी पशुपालक को देगा। शुरुआत में एक 'बैंक' में 25 बकरियों का स्टॉक रखा जाएगा।
- अभियान के तहत ग्रामीणों को मिली सहायता के बदले, भविष्य में उन्हें अपनी बकरी का एक मेमना बैंक को वापस करना होगा। इससे बकरी बैंक का स्टॉक लगातार बढ़ेगा और अधिक पशुपालकों को लाभ मिलेगा।
- अभियान के तहत काराकल की उपस्थिति वाले हॉटस्पॉट क्षेत्रों की मैपिंग की जाएगी, जहाँ चयनित क्षेत्रों में 'बकरी बैंक' स्थापित किए जाएंगे।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

राजस्थान में 'प्रोजेक्ट काराकल' का शुभारंभ

- **स्थल :** इस प्रोजेक्ट का शुभारंभ सवाई माधोपुर स्थित रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व से किया गया।
- **प्रोजेक्ट का संचालन :** राजस्थान वन विभाग द्वारा भारतीय वन्यजीव संस्थान, SACON एवं टाइगर वॉच के सहयोग से।
- **'प्रोजेक्ट काराकल' का उद्देश्य :** काराकल की आबादी का मानचित्रण करना, निगरानी को बेहतर बनाना और संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना।
- **परियोजना का नेतृत्व :** डॉ. शोमिता मुखर्जी द्वारा प्रधान अन्वेषक के रूप में। डॉ. अयान साधु एवं डॉ. धर्मेंद्र खंडाल सह-प्रधान अन्वेषक के रूप में।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (काराकल):

- काराकल एक मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है, जो अपने लंबे काले कानों और उड़ते हुए पक्षियों को पकड़ने के लिए 3 मीटर से भी ऊँची छलांग लगाने के लिए जानी जाती है।
- **वैज्ञानिक नाम :** काराकल काराकल।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **स्थानीय नाम :** भारत में इसे 'स्याहगोश (Black Ear Cat)' के नाम से जाना जाता है।
- **आवास :** अर्ध-शुष्क झाड़ियों वाले इलाकों, सवाना घास के मैदानों, सूखे जंगलों और बीहड़ों में।
- **भारत में वितरण :** मुख्य रूप से राजस्थान और गुजरात में।
- **राजस्थान में :** मुख्य रूप से यह रणथंभौर टाइगर रिज़र्व और मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व में पाई जाती है।
- भारत के अलावा स्याहगोश अफ्रीका, मध्य-पूर्व, मध्य और दक्षिण एशिया के कई देशों में पाई जाती है।

संरक्षण स्थिति :

- **IUCN रेड लिस्ट :** लीस्ट कंसर्न (सबसे कम चिंताजनक श्रेणी)।
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 :** अनुसूची – I में शामिल।
- **नोट :** वर्ष 2021 में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (NBWL) और केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 'प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम' के तहत काराकल को 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' (Critically Endangered) प्रजातियों की सूची में शामिल किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस : राज्य स्तरीय समारोह

चर्चा में क्यों?

- 11 मई, 2026 को जयपुर स्थित बी.एम. बिड़ला ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजक :** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार।
- **समारोह का उद्देश्य :** राज्य में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा विद्यार्थियों, नवप्रवर्तकों एवं शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करना।
- समारोह में राष्ट्रीय नवाचार प्रतिष्ठान (NIF) एवं राजस्थान राज्य नवाचार परिषद (SIC) से जुड़े नवप्रवर्तकों को सम्मानित किया गया।
- साथ ही, कार्यक्रम में कृषि, जल संरक्षण, स्वास्थ्य, ग्रामीण आजीविका एवं स्मार्ट तकनीकों से जुड़ी 26 नवाचार आधारित तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- ज्ञातव्य है कि 11 मई, 1998 को पोखरण में 'ऑपरेशन शक्ति' के तहत आयोजित परमाणु परीक्षण की स्मृति में प्रति वर्ष 11 मई को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' मनाया जाता है।
- **राजस्थान में 'विज्ञान क्लब' :** राजस्थान के स्कूली विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए मॉडल स्कूलों एवं पीएम श्री विद्यालयों में 820 विज्ञान क्लब प्रारंभ किए जा रहे हैं, जिनसे अनुसंधान एवं प्रयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही, 500 से अधिक विद्यालयों में रोबोटिक्स लैब भी शुरू की गई हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **'राजस्थान विज्ञान महोत्सव – 2026' स्मारिका :** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 11 मई, 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर 'राजस्थान विज्ञान महोत्सव 2026' की स्मारिका और पोस्टर का लोकार्पण किया।
- यह कार्यक्रम जयपुर स्थित केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) के कार्यालय में विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ब्रह्मगुप्त पुरस्कार एवं इनोवेशन सेंटर

चर्चा में क्यों?

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 11 मई, 2026 को जयपुर में आयोजित 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' के राज्य स्तरीय समारोह के दौरान 'ब्रह्मगुप्त पुरस्कार' शुरू करने और जयपुर में एक 'इनोवेशन सेंटर' स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्य बिन्दु:

- **पुरस्कार का उद्देश्य :** 'ब्रह्मगुप्त पुरस्कार' विज्ञान, गणित, नवाचार एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को प्रदान किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रेरणा :** यह पुरस्कार महान भारतीय गणितज्ञ और खगोलशास्त्री ब्रह्मगुप्त की स्मृति में प्रदान किया जाएगा, जिनका जन्म जालोर के भीनमाल में 7वीं शताब्दी में हुआ था।
- **महत्त्व :** इसका लक्ष्य प्रदेश की वैज्ञानिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ नई पीढ़ी को नवाचार और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करना है।
- **नोट :** राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट में ₹300 करोड़ के व्यय से 'ब्रह्मगुप्त सेंटर ऑफ फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज' की स्थापना किए जाने की घोषणा की गई थी।
- यह सेंटर जयपुर के प्रताप नगर स्थित कोचिंग हब में स्थापित किया जाएगा, जो युवाओं को तकनीक और नए विचारों पर काम करने के लिए आधुनिक बुनियादी ढाँचा और अनुकूल माहौल प्रदान करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' राज्य स्तरीय कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- **सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम विदेशी आक्रमण (१०२६ ई.) के 1000 वर्ष और मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का आयोजन किया गया।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजक :** कला एवं संस्कृति विभाग तथा देवस्थान विभाग (राजस्थान सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में।
- **आयोजन स्थल :** झारखंड महादेव मंदिर, जयपुर।

मंदिर पुनर्निर्माण में राजस्थानी कारीगरी :

- सोमनाथ मंदिर का आधुनिक निर्माण चालुक्य शैली (जिसे सोलंकी स्थापत्य शैली या मारू-गुर्जर शैली भी कहा जाता है) में किया गया है, जिसका आधार राजस्थान के प्राचीन मंदिर हैं।
- **बाण स्तंभ :** यह एक महत्त्वपूर्ण विशेषता है, जिसका बाण दक्षिण ध्रुव (South Pole) की ओर इशारा करता है, जो दर्शाता है कि मंदिर और दक्षिण ध्रुव के बीच कोई भूमि नहीं है।
- **प्राण प्रतिष्ठा (1951) :** तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना):

- राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग द्वारा वर्ष 2013 से रेल यात्रा और वर्ष 2016 से हवाई यात्रा द्वारा राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा कराने की शुरुआत की गई।
- देवस्थान विभाग द्वारा यात्रा का आयोजन तथा निर्धारित यात्रा का व्यय किया जाता हैं।
- राजस्थान राज्य बजट - 2025-26 में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत 6,000 वरिष्ठ नागरिकों को हवाई मार्ग से तथा 50,000 वरिष्ठ नागरिकों को वातानुकूलित रेल से तीर्थ यात्रा करवाए जाने की घोषणा की गई थी।
- तीर्थयात्रियों का चयन जिला स्तरीय कमेटी द्वारा लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

पात्रता:

- राजस्थान का मूल निवासी हो।
- 60 वर्ष से अधिक आयु का हो। (1 अप्रैल, 2025 के आधार पर)
- आवेदक स्वयं एवं जीवनसाथी (पति या पत्नी) आयकरदाता न हो।
- पूर्व में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना का लाभ न उठाया हो।
- स्वयं एवं जीवन साथी केंद्र सरकार, राज्य सरकार, केंद्र और राज्य सरकार के उपक्रम, स्थानीय निकाय से सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी ना हो।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चाँदीपुरा वायरस (CHPV)

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (NIV), पुणे द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट के अनुसार चाँदीपुरा वायरस (CHPV) के कारण सलूंबर की लसाड़िया और प्रतापगढ़ की पारसोला तहसील में अप्रैल, 2026 में 15 बच्चों की रहस्यमयी मौतें हुई थी।

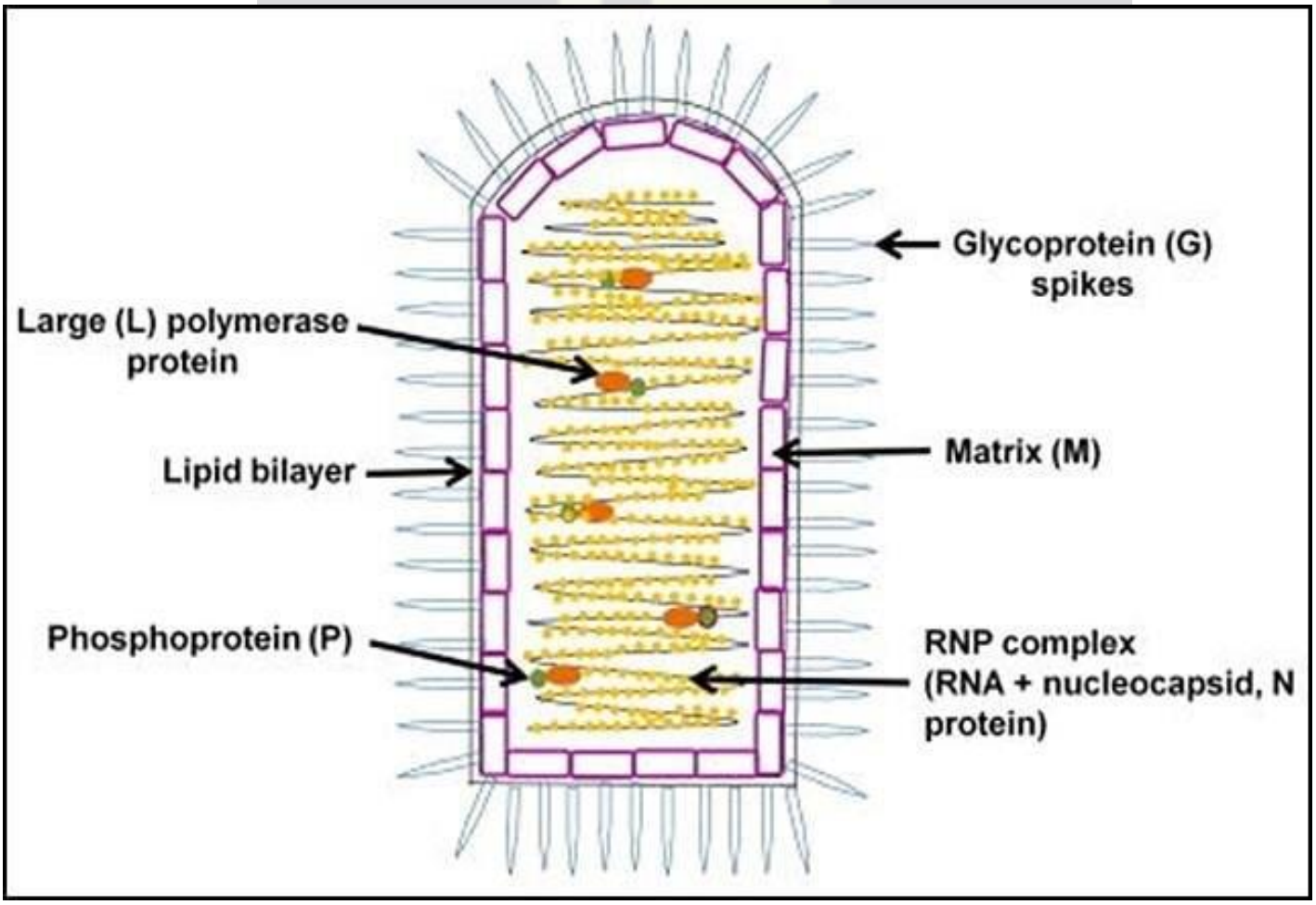

मुख्य बिन्दु:

- **पुष्टि का आधार :** NIV पुणे की जाँच में प्रभावित गाँवों के जानवरों के सीरम नमूनों में चाँदीपुरा वायरस की एंटीबॉडी पाई गई है, जो इस क्षेत्र में वायरस की मौजूदगी की पुष्टि करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **समान लक्षण :** प्रभावित हुए सभी बच्चों में तेज बुखार, उल्टी, और दौरे (Convulsions) जैसे लक्षण देखे गए थे, जो एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (AES) के समान हैं।

चाँदीपुरा वायरस (CHPV):

- **प्रकार :** यह एक घातक RNA वायरस है, जो मुख्य रूप से बच्चों में तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (AES) यानी दिमाग में सूजन का कारण बनता है। इस वायरस की खोज सबसे पहले वर्ष 1965 में महाराष्ट्र के चाँदीपुरा गाँव में हुई थी, जिसके नाम पर इसका नाम रखा गया।
- **परिवार :** यह वायरस 'रैबडोविरिडे' (Rhabdoviridae) परिवार से संबंधित है, जिसमें रेबीज वायरस भी शामिल है।
- **प्रसार :** यह मुख्य रूप से फ्लेबोटोमाइन सैंडफ्लाई (एक प्रकार की मक्खी) के काटने से फैलता है।
- **खतरा:** यह वायरस विशेष रूप से 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है और संक्रमण के 48 से 72 घंटों के भीतर मौत का कारण बन सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**रणजीत सिंह राठौड़ (हिलिंगडन काउंसिल में काउंसलर)** ■ हाल ही में, पाली के धुंधला गाँव के रणजीत सिंह राठौड़ ने लंदन में हिलिंगडन काउंसिल में काउंसलर चुनावों में जीत हासिल की। ■ वे कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नॉर्थवुड हिल्स वार्ड से 1902 वोट लाकर विजयी घोषित किए गए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार, 2025

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 की घोषणा की गई। इसमें मिजोरम के कावरथाह नॉर्थ गाँव ने दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत् विकास पुरस्कार की 'स्वच्छ और हरित पंचायत' श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिन्दु:

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार

- **मुख्य उद्देश्य:** सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को पुरस्कृत करना तथा ग्रामीण भारत में समावेशी, सहभागितापूर्ण और सतत् विकास को बढ़ावा देना। इसे प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।
- **मूल्यांकन ढाँचा:** यह सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण (LSDGs) के नौ विषयों (थीम) के अनुरूप है।

दो पुरस्कार श्रेणियाँ:

- **दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत् विकास पुरस्कार:** इसमें नौ विषयगत क्षेत्रों में पंचायतों के प्रदर्शन के आधार पर उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों को पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- **नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत् विकास पुरस्कार:** जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तरों पर समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS)

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को देश का अगला चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) नियुक्त किया।

मुख्य बिन्दु:

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

- **पद का सृजन:** CDS का पद वर्ष 2019 में सृजित किया गया था। यह 1999 की के. सुब्रमण्यम समिति (कारगिल समीक्षा समिति) की रिपोर्ट के आधार पर 2001 में गठित मंत्रियों के समूह (GoM) की सिफारिशों पर सृजित किया गया।

CDS के कार्य और जिम्मेदारियाँ:

- वह तीनों सेनाओं के मामलों पर रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार की भूमिका निभाता है।
- **सैन्य कार्य विभाग (DMA) का प्रमुख:** पदेन सचिव के रूप में, CDS सशस्त्र बलों के मामलों, खरीद (पूँजी अधिग्रहण को छोड़कर), और एकीकरण (प्रशिक्षण, लॉजिस्टिक आदि में "संयुक्तता" को बढ़ावा देना) की देखरेख करता है।
- **चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का स्थायी अध्यक्ष:** वह तीनों सेना प्रमुखों के बीच समन्वय करने के लिए "समकक्षों में प्रथम" के रूप में कार्य करता है।
- **रणनीतिक कार्य:** थिएटर कमांड, परमाणु प्राधिकरण (परमाणु कमान प्राधिकरण के सैन्य सलाहकार) और नीति एवं योजना निर्माण।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

प्रति बूंद अधिक फसल (Per Drop More Crop - PDMC)

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने सूक्ष्म सिंचाई के तहत अतिरिक्त 100 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया।

मुख्य बिन्दु:

- यह लक्ष्य व्यापक राष्ट्रीय सतत् कृषि मिशन के 'प्रति बूँद अधिक फसल' घटक के माध्यम से 2025-26 से 2029-30 तक 5 वर्षों की अवधि में प्राप्त किया जाएगा।

राष्ट्रीय सतत् कृषि मिशन (NMSA)

- **शुरुआत:** राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (NAPCC) के ढाँचे के तहत वर्ष 2014-15 में शुरू की गई थी।
- वर्ष 2022-23 से इसे 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' के अंतर्गत शामिल कर लिया गया।
- **संबद्ध मंत्रालय:** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उद्देश्य:** एकीकृत खेती, जल उपयोग दक्षता, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और संसाधनों के संरक्षण में समन्वय पर ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि उत्पादकता को बढ़ाना।

चार प्रमुख घटक:

- **ऑन फार्म वाटर मैनेजमेंट / प्रति बूँद अधिक फसल:** इसके अंतर्गत जल-उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणालियाँ) को बढ़ावा दिया जाता है।
- **कवरेज:** वर्ष 2015-16 से सूक्ष्म सिंचाई के तहत लगभग 109 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया है।
- **वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास:** यह घटक प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण के लिए "वाटरशेड प्लस फ्रेमवर्क" का उपयोग करता है।
- यह एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देता है, जिसमें बहुफसली खेती के साथ बागवानी, पशुपालन, मात्स्यिकी एवं कृषि वानिकी जैसे सहायक कार्यों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि आय के स्रोत बढ़े और फसल से संबद्ध जोखिम कम हो।
- **मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन:** इसका उद्देश्य स्थान और फसल के अनुसार उचित पोषक तत्त्व प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इसे मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के माध्यम से लागू किया जा रहा है, ताकि उर्वरकों के संतुलित उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन और ऑर्गनिक खेती को बढ़ावा मिले, तथा यूरिया के अत्यधिक उपयोग को कम किया जा सके।
- **जलवायु परिवर्तन और संधारणीय कृषि-मॉनिटरिंग, मॉडलिंग एवं नेटवर्किंग:** यह घटक पायलट परियोजनाओं के माध्यम से किसानों और वैज्ञानिकों के बीच जलवायु संबंधी जानकारी के पारस्परिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, ताकि जलवायु परिवर्तन के अनुसार बेहतर कृषि-अनुकूलन किया जा सके।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जन सुरक्षा योजनाओं के 11 वर्ष

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार द्वारा 11 साल पहले शुरू की गई प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभाव पर प्रकाश डाला, जिनमें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना शामिल हैं।

मुख्य बिन्दु:

- PMJJBY, PMSBY और APY को 9 मई, 2015 को लॉन्च किया गया था।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY)

- **योजना:** PMJJBY एक वर्षीय जीवन बीमा योजना है जिसे साल दर साल नवीनीकृत किया जा सकता है और यह किसी भी कारण से होने वाली मृत्यु के लिए कवरेज प्रदान करती है।
- **पात्रता:** 18-50 वर्ष की आयु वर्ग के वे व्यक्ति जिनके पास व्यक्तिगत बैंक या डाकघर खाता है, इस योजना के अंतर्गत नामांकन करने के पात्र हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- जो लोग 50 वर्ष की आयु पूरी करने से पहले इस योजना में शामिल होते हैं, वे नियमित प्रीमियम का भुगतान करने पर 55 वर्ष की आयु तक जीवन बीमा का जोखिम कवर प्राप्त करना जारी रख सकते हैं।
- **लाभ:** किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा, जिसके लिए प्रति वर्ष 436 रुपये का प्रीमियम देना होगा ।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY)

- **योजना:** PMSBY एक वर्षीय दुर्घटना बीमा योजना है जिसे साल-दर-साल नवीनीकृत किया जा सकता है और यह दुर्घटना के कारण मृत्यु या विकलांगता के लिए कवरेज प्रदान करती है।
- **पात्रता:** 18 से 70 वर्ष की आयु वर्ग के वे व्यक्ति जिनके पास व्यक्तिगत बैंक या डाकघर खाता है, इस योजना के अंतर्गत नामांकन करने के पात्र हैं।
- **लाभ:** दुर्घटना के कारण मृत्यु या विकलांगता होने पर 2 लाख रुपये (आंशिक विकलांगता की स्थिति में 1 लाख रुपये) का आकस्मिक मृत्यु सह विकलांगता कवर, जिसके लिए प्रति वर्ष 20 रुपये का प्रीमियम देना होगा।

अटल पेंशन योजना (APY)

- **पृष्ठभूमि:** इसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना और भविष्य की आपात स्थितियों से निपटना है।
- APY का संचालन राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) की समग्र प्रशासनिक और संस्थागत संरचना के अंतर्गत पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा किया जाता है ।
- **पात्रता:** 18 से 40 वर्ष की आयु के सभी बैंक खाताधारक इसके लिए पात्र हैं ।
- आवेदक आयकर दाता नहीं होने चाहिए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- ग्राहक को कम से कम 20 वर्षों की अवधि के लिए योगदान देना होगा।
- अंशदान की राशि चयनित पेंशन स्लैब और शामिल होने की आयु के आधार पर भिन्न होती है।
- **लाभ:** ग्राहकों को अंशदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद 1000 रुपये, 2000 रुपये, 3000 रुपये, 4000 रुपये या 5000 रुपये की गारंटीकृत न्यूनतम मासिक पेंशन प्राप्त होगी ।
- **योजना के लाभों का वितरण:** पेंशन का भुगतान सर्वप्रथम ग्राहक को किया जाता है।
- ग्राहक की मृत्यु के बाद, पेंशन उसके जीवनसाथी को मिलती है।
- ग्राहक और उसके जीवनसाथी दोनों की मृत्यु होने पर, संचित पेंशन राशि नामांकित व्यक्ति को दे दी जाती है।
- **असमय मृत्यु (60 वर्ष की आयु से पहले) की स्थिति में:** पति/पत्नी तब तक अंशदान जारी रख सकते हैं जब तक कि लाभार्थी 60 वर्ष का नहीं हो जाता, जिससे पेंशन पात्रता बनी रहेगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

कैस्पियन सागर

चर्चा में क्यों?

- कैस्पियन सागर पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच रूस और ईरान के बीच सैन्य तथा व्यापारिक आपूर्ति के लिए एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में उभरा है। इसका उपयोग हथियार, ड्रोन, अनाज और अन्य वस्तुओं के परिवहन के लिए किया जा रहा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

कैस्पियन सागर

- यह दुनिया का सबसे बड़ा अंतर्देशीय जल निकाय (या सबसे बड़ी झील) है। यह पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया के चौराहे पर स्थित है।
- **यह पाँच देशों की सीमाएँ साझा करता है:** रूस (उत्तर-पश्चिम), कजाकिस्तान (उत्तर-पूर्व), तुर्कमेनिस्तान (दक्षिण-पूर्व), ईरान (दक्षिण) और अजरबैजान (पश्चिम)।
- **जल अपवाह:** वोल्गा नदी, कैस्पियन सागर में जल का मुख्य स्रोत है, जो इसके कुल जल प्रवाह का लगभग 80% प्रदान करती है।
- चूँकि इसका कोई बाहरी निकास मार्ग नहीं है, इसलिए इसका जल केवल वाष्पीकरण के माध्यम से बाहर जाता है। इसी कारण इसका जल खारा हो गया है।
- **वर्तमान स्थिति:** तेल और प्राकृतिक गैस से समृद्ध, कैस्पियन सागर 2001 और 2024 के बीच 46% तक सिमट गया है। इसका मुख्य कारण वाष्पीकरण की उच्च दर और वोल्गा नदी पर बाँधों का निर्माण है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

स्क्रैमजेट प्रणोदन प्रणाली

चर्चा में क्यों?

- DRDO ने अपने 'एक्टिवली कूल्ड फुल स्केल स्क्रैमजेट कम्बस्टर' का परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस परीक्षण में इसने 1,200 सेकेंड से अधिक का रन-टाइम प्राप्त किया।

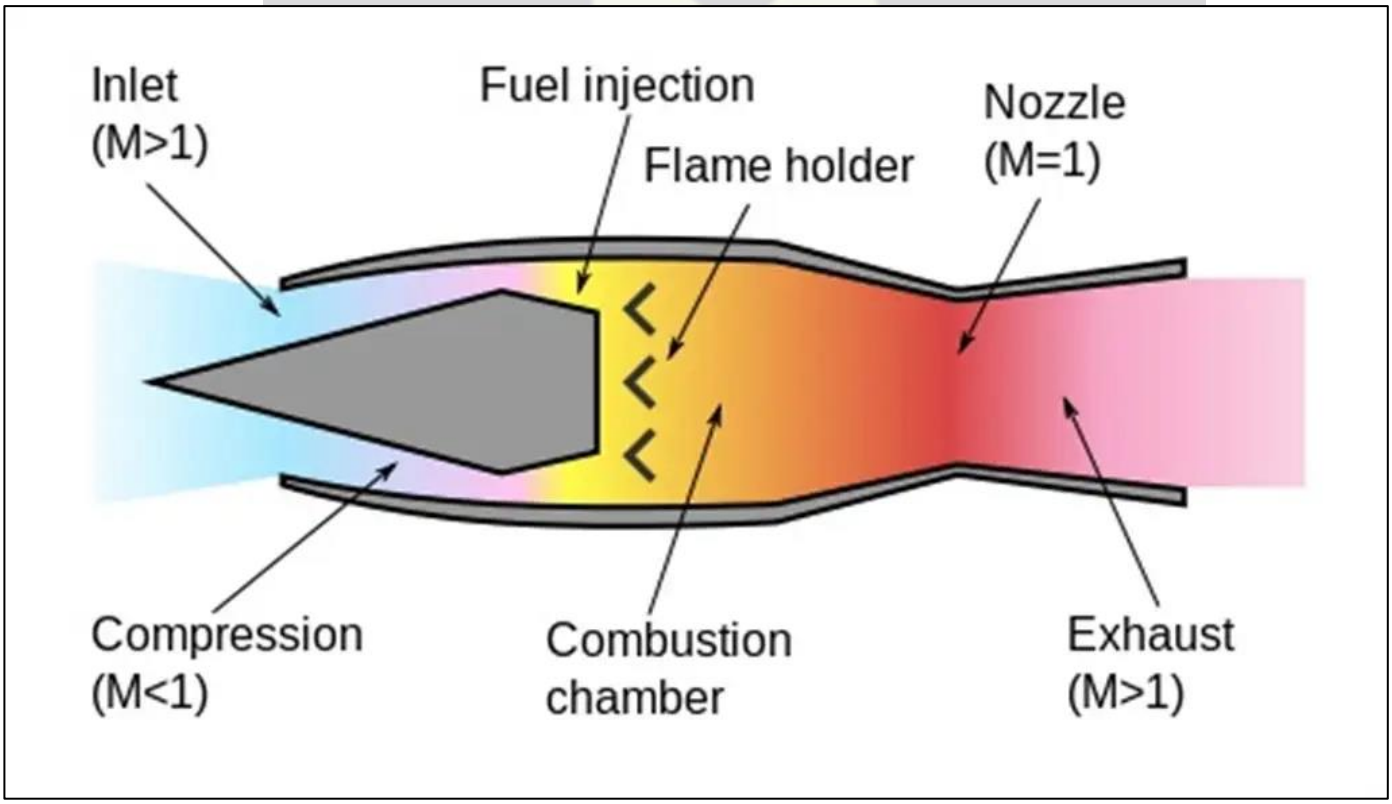

मुख्य बिन्दु:

स्क्रैमजेट प्रणोदन प्रणाली

- **अवधारणा:** स्क्रैमजेट का पूरा नाम सुपरसोनिक कंबस्टन रैमजेट है।
- यह एक उन्नत एयर-ब्रीदिंग जेट इंजन है, जिसे हाइपरसोनिक गति पर दक्षतापूर्वक कार्य करने के लिए बनाया गया है। इसमें ईंधन का दहन सुपरसोनिक गति पर ही होता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **कार्यप्रणाली:** यह इंजन वाहन की आगे की तेज गति का उपयोग बाहरी हवा को अंदर खींचने और उसे संपीडित करने के लिए करता है, जिससे कंबस्टर में ईंधन जलाया जाता है।
- हवा में गति करते समय यह वायुमंडलीय ऑक्सीजन का उपयोग ऑक्सीकारक के रूप में करता है।
- **ईंधन के प्रकार:** हाइड्रोजन या उन्नत तरल हाइड्रोकार्बन एंडोथर्मिक (ऊष्माशोषी) ईंधन।
- **लाभ:** यह प्रणाली वाहन के कुल वजन को कम करती है, जिससे यह कम लागत में पुनः उपयोग योग्य अंतरिक्ष-यात्रा के लिए अत्यधिक दक्ष प्रणोदन प्रणाली बन जाती है। साथ ही, यह प्रणाली हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के विकास के लिए भी एक आदर्श आधार प्रदान करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

दिव्यास्त्र मिसाइल

चर्चा में क्यों?

- भारत ने ओडिशा स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से 'दिव्यास्त्र' मिसाइल का दूसरा सफल उड़ान परीक्षण किया।

मुख्य बिन्दु:

'दिव्यास्त्र' मिसाइल

- यह मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (MIRV) सिस्टम से युक्त एक उन्नत अग्नि मिसाइल है।
- **MIRV प्रणाली:** इसे मूल रूप से 1960 के दशक की शुरुआत में विकसित किया गया था। यह प्रणाली किसी एकल मिसाइल को कई परमाणु हथियार एक साथ ले जाने में सक्षम बनाती है, जिनमें से प्रत्येक स्वतंत्र रूप से अलग-अलग लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका (MIRV तकनीक विकसित करने वाला पहला देश), रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और चीन के पास भी MIRV तकनीक है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR